

विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा - षष्ठ

दिनांक -18 - 01 - 2022

विषय -हिन्दी

विषय शिक्षक - पंकज कुमार

सुप्रभात् बच्चों आज लिखित भाषा एवं लिपि के बारे में पुनः अध्ययन करेंगे।

लिखित भाषा – जब व्यक्ति अपने मन के भावों को लिखकर व्यक्त करता है, तो वह भाषा का लिखित रूप कहलाता है।

लिपि – भाषा का प्रयोग करते समय हम सार्थक ध्वनियों का उपयोग करते हैं। इन्हीं मौखिक ध्वनियों को जिन चिह्नों द्वारा लिखकर व्यक्त किया जाता है, वे लिपि कहलाते हैं। लिपि की परिभाषा हम इस प्रकार दे सकते हैं

किसी भी भाषा के लिखने की विधि को लिपि कहा जाता है।

प्रत्येक भाषा के लिपि-चिह्न अलग-अलग होते हैं तथा उन्हें अलग-अलग नामों से जाना जाता है। जैसे हिंदी व संस्कृत भाषा की लिपि देवनागरी है। इसी प्रकार अंग्रेजी भाषा की लिपि रोमन, पंजाबी भाषा की लिपि गुरुमुखी और उर्दू भाषा की लिपि फ़ारसी है।

कुछ प्रसिद्ध भाषाएँ एवं उनकी लिपियों के नाम इस प्रकार हैं-

भाषा	लिपि
हिंदी, संस्कृत, मराठी	देवनागरी
पंजाबी	गुरुमुखी
उर्दू, फ़ारसी	फ़ारसी
अरबी	अरबी
बंगला	बंगला
रूसी	रूसी
अंग्रेज़ी, जर्मन, फ्रेंच, स्पेनिश	रोमन

भारत में अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं; जैसे-हिंदी, संस्कृत, पंजाबी, उर्दू, कश्मीरी, बंगला, उड़िया, तेलुगु, असमिया, सिंधी, गुजराती, बोडो, डोगरी, मैथिली, कन्नड़, संथाली, मणिपुरी, कोंकणी, संथाली, मलयालम, नेपाली, मराठी। इस प्रकार अब भारत में निम्नलिखित **22** (बाईस) भाषाएँ प्रचलित हैं।

संस्कृत भाषा से ही हिंदी भाषा का जन्म हुआ है। **14** सितंबर, **1949** को हिंदी संविधान में भारत की राजभाषा स्वीकार की गई।

भारत के अधिकांश हिस्सों में यही भाषा बोली और समझी जाती है। हिंदी भाषा की पाँच उपभाषाएँ हैं।

उपभाषा	बोली
1. पूर्वी हिंदी	अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ी
2. राजस्थानी हिंदी	जयपुरी, मारवाड़ी, मेवाती, मालवी
3. पहाड़ी हिंदी	गढ़वाली, कुमाउँनी, हिमाचली
4. पश्चिमी हिंदी	खड़ीबोली, हरियाणवी, कन्नौजी, ब्रज भाषा
5. बिहारी हिंदी	भोजपुरी, मैथिली, मगही।